



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 936]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 17, 2009/ज्येष्ठ 27, 1931

No. 936]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 17, 2009/JYAISTHA 27, 1931

विद्युत मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 4 जून, 2009

का.आ. 1504(अ).—चूँकि मै. एस्सार पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, अनुज्ञप्तिधारी, जिसका निगमित कार्यालय ए-5, सेक्टर-3, नौएडा-201301 (उत्तर प्रदेश) में है और जो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा गुजरात राज्य के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 के अंतर्गत अनुज्ञप्ति रखते हुए विद्युत के अन्तर्राज्यीय पारेषण हेतु अनुज्ञप्तिधारी है, ने विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अनुमोदन के लिए आवेदन किया है;

और चूँकि विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने 26-5-2008 को, पत्र सं. 11/4/2007-पीजी के द्वारा, विभिन्न गांवों की कृषि भूमियों से गुजरने वाली, राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों, रेलवे लाइनों, स्थानीय प्राधिकार क्षेत्र आदि के ऊपर से निकलने वाली लगभग 432 किलोमीटर की निम्नलिखित अन्तर्राज्यीय पारेषण लाइनों नामतः :—

- (i) माहन एसटीपीएस स्विचयार्ड-सीपत 400 केवी डी/सी ट्रिपल मूज कंडक्टर ।
- (ii) माहन एसटीपीपी में मौजूदा 400 केवी विन्ध्याचल-कोरबा लाइन के एक सर्किट का लीलो ।
- (iii) गांधार (एनटीपीसी)-हजीरा 400 केवी डी/सी ट्रिपल मूज ।

के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 68 के अंतर्गत अनुज्ञप्तिधारी को अनुमोदन प्रदान किया था।

और चूँकि अनुज्ञप्तिधारी ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत सभी शक्तियाँ उसे सौंपे जाने का अनुरोध किया है,

जो सरकार द्वारा स्थापित अथवा अनुरक्षित किए गए अथवा इस प्रकार स्थापित अथवा अनुरक्षित किए जाने वाले टेलीग्राफ के उद्देश्य हेतु तार लाइनें और खंबे लगाने के संबंध में, भारतीय तार अधिनियम, 1885 के अंतर्गत तार प्राधिकरण के पास हैं।

अतः, अब, पूर्ण रूप से विचार करने के पश्चात्, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत विद्युत की अंतर्राज्यीय पारेषण लाइनों की स्थापना के लिए वो सभी शक्तियाँ, निम्नलिखित शर्तों एवं निर्बंधनों के अधीन, अनुज्ञप्तिधारी को प्रदान करता है जो सरकार द्वारा स्थापित किए गए या अनुरक्षित किए गए या इस प्रकार स्थापित अथवा अनुरक्षित किए जाने वाले टेलीग्राफ के उद्देश्य हेतु तार लाइनें एवं खंबे लगाने के संबंध में भारतीय तार अधिनियम, 1885 के अंतर्गत तार प्राधिकरण के पास हैं :—

- (i) अनुमोदन 25 वर्ष के लिए प्रदान किया जाता है;
- (ii) अनुज्ञप्तिधारी को प्रस्तावित लाइनों की स्थापना से पूर्व, संबंधित प्राधिकरणों अर्थात् स्थानीय निकायों, रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग आदि की सहमति प्राप्त करनी होगी;
- (iii) अनुज्ञप्तिधारी को पारेषण, ओ. एंड एम., खुली पहुंच आदि के संबंध में उपर्युक्त आयोग के विनियमों/कोडों का अनुपालन करना होगा;
- (iv) अनुज्ञप्तिधारी को लगभग 315 कि.मी. लंबाई की 400 केवी डी/सी माहन-सीपत पारेषण लाइन जो कि मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में माहन टीपीपी से शुरू होगी तथा छत्तीसगढ़ राज्य में पीजीसीआईएल के सीपत (प.क्षे.) पूर्णिग केंद्र पर समाप्त होगी, तथा विन्ध्याचल-कोरबा के लीलो जो कि लगभग 20 कि.मी. लंबा है,

तथा 97 कि.मी. की 400 केवी डी/सी पारेषण लाइन जो कि गुजरात के भरुच जिले में इनोर से सूरत जिले तक होगी, के निर्माण का कार्य सौंपा जा चुका है। लाइन के विवरण 10 जनवरी, 2009 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए हैं;

- (v) अनुज्ञप्तिधारी संबंधित राज्यों के मुख्य वैद्युत निरीक्षक के अनुमोदन के पश्चात् लाइनों का प्रचालन करेगा;
- (vi) यह अनुमोदन विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों की अपेक्षाओं का अनुज्ञप्तिधारी द्वारा अनुपालन किए जाने के अध्वधीन है।

[फा. सं. 11/4/2009-पीजी]

लोकेश चन्द्र, निदेशक

MINISTRY OF POWER

ORDER

New Delhi, the 4th June, 2009

S.O. 1504(E).—Whereas M/s. Essar Power Transmission Company Limited, the licensee, with its corporate office at A-5, Sector, 3, Noida-201301 (UP) being a licensee for Interstate transmission of electricity having a license under the Electricity Act, 2003 for the States of Madhya Pradesh, Chattisgarh and Gujarat; has applied for approval of the Government of India, Ministry of Power:

And whereas on 26.5.2008, *vide* letter No. 11/4/2007-PG, the Government of India, Ministry of Power, had granted to the Licensee approval under Section 68 of the Electricity Act, 2003 for the following Inter-State Transmission Lines, namely :—

- (i) Mahan STPS Switchyard-Sipat 400 kV D/C triple moose conductor.
- (ii) LILO of one ckt of existing 400 kV Vindhyachal-Korba line at Mahan STPP.
- (iii) Gandhar (NTPC)-Hazira 400 kV D/C twin moose.

of approximately 432 Km. passing through agriculture lands of various villages, crossing over the National and State Highways, Railway Lines, Local Authority Area etc.;

And whereas the licensee has now requested to confer upon him all the powers under Section 164 of the Electricity Act, 2003 which telegraph authority possess under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to the

placing of telegraph lines and posts for the purposes of a telegraph established or maintained, by the Government or to be so established or maintained.

Now, therefore, after careful consideration, Government of India, Ministry of Power, confers, under Section 164 of the Electricity Act, 2003, all the powers on the Licensee which telegraph authority possesses under the Indian Telegraph Act, 1885 with respect to the placing of telegraph lines and posts for the purposes of a telegraph established or maintained, by the Government or to be so established or maintained subject to following terms and conditions for installing the above mentioned inter-state transmission lines for inter-state transmission of electricity, namely :—

- (i) the approval is granted for 25 years;
- (ii) the Licensee shall have to seek the consent of the concerned authorities i.e. local bodies, Railways, National Highways, State Highways etc. before erection of proposed lines;
- (iii) Licensee shall have to follow regulations/codes of the appropriate commission regarding transmission, O & M, open access etc.;
- (iv) the Licensee has been entrusted with the responsibility of constructing the 400 kV D / C Mahan - Sipat Transmission Line of length around 315 kms, starting from Mahan TPP in Singrauli district of Madhya Pradesh and terminating at Sipat (WR) Pooling Station of PGCH in Chattisgarh State LILO of Vindhyachal-Korba whose length is 20 km and 400 kV D / C Transmission line from Jhanor in Bharuch district to Hazira in Surat district of Gujarat of length 97 km. The details of the line are published in the Gazette of India of January 10, 2009;
- (v) the Licensee shall operate the lines after approval of Chief Electrical Inspector of respective States;
- (vi) the approval is subject to compliance by the Licensee to the requirement of the provisions of The Electricity Act, 2003 and the rules made thereunder.

[F. No. 11/4/2009-PG]

LOKESH CHANDRA, Director